Welland Gouldsmith School
2nd Language Hindi
Class- IV

पाठ — गुब्बारे में चीता

स्कूल के पास एक मैदान में बॉम्बे सर्कस लगी थी । हेडमास्टर ने वहाँ जाने से मना किया था । पर बलदेव कहाँ मानने वाला । वह कुछ जमा किए हुए पैसों
को लेकर सर्कस देखा । बाहर आकर उसकी नजर एक बड़े गुब्बारे पर परी । गुब्बारे वाला आवाज लगा रहा था "आओ चले आओ! गुब्बारे में आसमान की सैर करो" । इतने में बलदेव ने देखा कि एक चीता उसकी तरफ दौड़ा चला आ रहा है । वह डरकर गुब्बारे में जा बैठा , चीता भी गुब्बारे पर चढ़ गया । गुब्बारे वाला चीता को आता देखकर रस्सी छोड़कर भागा । गुब्बार ऊपर उठने लगा । यह देखकर चीता अपना चीतापन भूल गया और गुब्बारे से फिसलकर नीचे गिर पड़ा । चीता को
देखकर बलदेव का खून भी सूख गया था । चीता के गिरने के बाद बलदेव ने गुब्बारे का मुँह खोल दिया । गुब्बारा जब नीचे गिरने लगा तो बलदेव नदी में कूद
गया । वह तैरकर बाहर निकल आया ।

Note: सभी प्रश्न-उत्तर को हिंदी 2nd Language की
अभ्यास पुस्तिका (Exercise Book) में लिखना है ।

क. दिए गए शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइये -

1. तमाशा 3. हुक्म 5. दरिया
2. विज्ञापन 4. वेग

ख. दिए गए प्रश्नों के उत्तर दो या तीन शब्दों में लिखिए -

1. सर्कस कहाँ लगी थी ?
2. बलदेव कक्षा में बैठा हुआ क्या बना रहा था ?
3. बलदेव को कौन से जानवर कुछ जानदार लगे ?

4. सर्कस का नाम क्या था ?

5. 'जामे से बाहर होना' का क्या अर्थ है ?

ग. बलदेव सर्कस के शेर और बाघ के बारे में क्या सोच रहा था ?

घ. पिंजरे से निकलकर चीते ने क्या किया ?

गृह कार्य (Home work)

च. शुद्ध उच्चारन करें-शब्दों को तीन-तीन बार लिखें ।

छ. इस कहानी से क्या शिक्षा मिलती है ?

ज. खाली स्थ्यान भरिए --

1. इश्तिहार बड़ा --------- था ।
2. शहर की दीवारों पर --------- चिपका दिए गए ।
3. वह -------- का बाघ है ।
4. -------- ऊपर उठने लगा ।
5. चीता अपना सारा ------- भूल गया ।
6. -------- यह चीता कुछ जानदार है ।

---------- x ----------